

Storytelling, songs, role play and drama: Lower Primary Maths

English (with Hindi)

Commentary:

In this primary class, a teacher explores using a story to engage her students in number work.

The story starts with five friends going to the village fair, each with Rs. 200 to spend.

Teacher: ठीक है ना? ये दो-सौ रुपये, सब एक जगह, एक बच्चा इकट्ठा किया। और कहा कि, “ठीक है, अब हम लोग, मेला देखने चलते हैं।”

Commentary:

The teacher describes the cost of the different rides and the types of food available at the fair.

Students: Yes, ma'am.

Teacher: Very good. तो वो भी बहुत खुश होते हैं। इस giant wheel के पास जाते हैं, और पता करते हैं - उसका किराया कितना है। एक-एक बच्चे का किराया, उस giant wheel के लिए, बीस रुपये था। कितना था?

Students: बीस।

Teacher: बीस रुपये। इस giant wheel का किराया, कितना हो गया? बीस रुपये - एक बच्चे के लिए। उस giant wheel पे, सभी बच्चे झूला झूलते हैं। उसके बाद, ये सोचते हैं कि, “चलो, अब कुछ खाने-पीने की चीज़ें, हम लोग खा लेते हैं।”

वहाँ पहुँचते हैं। दुकान पर - बहुत सारे समोसे दिख रहे हैं, चाट दिख रही है। अभी तुम बताए हो ना, ढेर सारी चीज़ें?

Students: Yes, ma'am.

Teacher: चाट हो गया, समोसे हो गया, आइसक्रीम हो गई।

Commentary:

The teacher is making the students' learning relevant by drawing on their own experiences and encouraging their contributions.

Teacher: उन में से दो, तो जो हैं, चटपटा खाने के बड़े शौकीन रहते हैं। कुछ बच्चों को जैसे चटपटा बहुत पसंद होता है ना?

Students: Yes, ma'am.

Teacher: वो दोस्त कहते हैं, “हम तो चाट खाएँगे।” तो चाट वाले corner पर पहुँचते हैं, और बोलते हैं, “भैया, चाट कितने का दोगे?”

तो दुकानदार बोलता है, “पच्चीस रुपये plate.” कितने रुपये plate?

Students: पच्चीस ।

Teacher: पच्चीस रुपये plate. तो, दो बच्चे, जो पाँच दोस्त थे, उनमें से दो, क्या खाते हैं?

Students: चाट खाते हैं।

Teacher: चाट खाते हैं। उसकी कीमत कितनी हो गई? एक plate की?

Students: पच्चीस।

Teacher: पच्चीस, very good.

Commentary:

The teacher then retells the story, this time asking her students to note down the numbers involved. The story provides a meaningful context for her students to use addition and subtraction.

Teacher: कहानी एक बार सुन लो। हम बता रहे हैं न; कहानी सुनो, और उसके साथ साथ note करते चलो। जल्दी-जल्दी note करना। ठीक है न? पैसे कितने इकट्ठा किए? दौ-सौ, दौ-सौ रुपये। Auto book किए। उसमें एक-तरफ़ा किराया कितना था?

Students: सौ रुपये।

Teacher: सौ रुपये।

Commentary:

The teacher encourages her students to remember the cost of the different items at the fair.

Teacher: उसका दस रुपये है। ठीक है। पाँच मिनट समय और है। आराम से तुम लोग, अभी, आपस में सिर्फ़ बात कर लो, ताकि कोई चीज़ का दाम जो है, छूटना नहीं चाहिए।

Commentary:

The students now work in groups to decide which numbers from the story they need to calculate how much the children spent.

Student 1: पाँच लड़के, पाँच लड़के झूले झूले? उसके सौ रुपये हो गए। और ट्रेन में दस-दस रुपये में झूले। उसके भी हो गए, पचास रुपये।

Student 2: बड़ा वाला झूला झूला, उसके कितने हुए?

Student 3: बड़ा वाला?

Student 4: सौ, सौ रुपये।

Student 3: और ट्रेन वाले के

Student 2: और ट्रेन वाले के कितने हुए?

Student 5: पचास।

Student 3: पचास।

Student 6: तीस, तीस, तीस - नब्बे। ट्रेन के दस-दस दिए? पचास।

Student 7: पचास।

Student 6: नाव के हुए?

Student 7: दस, दस... पचास।

Commentary:

This teacher organised her class into large groups of eight students. What might be the advantages of using smaller groups in activities like this?

The teacher asks two students to discuss their answers.

Teacher: मुझे बताओ कि कितने रुपये बचे हैं? दोनों लोग मिलाओ, देखो, कहाँ गडबड़ी हो रही है?

Student 8: Auto में दो-सौ रुपये खर्च हुए। झूला झूलने में दो-सौ रुपये खर्च हुए। उसके बाद खिलौने लेने में देढ़-सौ रुपये खर्च हुए।

Student 3: सात-सौ-नब्बे थे।

Student 8: हाँ, तो जोड़ लो।

Student 3: दुई-सौ-दस में से दस मिला दो, आठ सौ भर? और दुई-सौ, एक-हज़ार हुईं गये?

दो-सौ-दस बचे? दस मिला दो। दो सौ और - हो गये एक-हज़ार।

Teacher: हाँ...

Commentary:

At the end of the lesson, the teacher quickly checks the students' understanding of the activity.

Teacher: कैसे किसी कहानी में से, हम लोग प्रश्न बनाते हैं। ठीक है?

Commentary:

Stories provide a good starting point for problems and puzzles in maths. Have you tried using stories in your maths or science lessons?